

कलश यात्रा के साथ 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आगाज

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़, (नि.स.)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकंज हरिद्वार के मार्गदर्शन एवं गायत्री परिवार ट्रॉट चित्तौड़गढ़ के नेतृत्व में गायत्री शक्ति पीठं प 5 से 8 फरवरी को आयोजित विपर 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के प्रथम दिन मंगल कलश एवं सद ग्रन्थ शोभायात्रा निकली गई। जिसमें जिले भर से 1000 से अधिक गायत्री परिवार के सदस्य कलश यात्रा में सामिल हुए। कलश यात्रा गायत्री शक्ति पीठ चित्तौड़गढ़ में विधिवत पूजन कर के से प्रारम्भ हुई। इसमें दो छुड़ावार सभसे आगे चल रहे थे। इनके पीछे महिला पुरुष तकात में चल रहे थे। यात्रा सेन्थी, बापुनगर, पंचवटी, प्रताप नगर, कुंभनगर, रेल्वे अड्डे, ब्रिज, नार पालिका कालाड़ी, रोडवेस बस स्टैन्ड, पुराणी पुराणी, अस्प्रा टॉक्यू के पास से होते हुवे महाराणा प्रताप सेतु मार्ग वज्ञ स्थल इनांगी सिटी सेन्टर चित्तौड़गढ़ पुच्छ, जहा सभी कलश यात्रा का स्वागत किया एवं



विधिवत रूप से कलश की स्थापना की गई। कलश यात्रा का जगह जगह पर शहरवासियों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। यात्रा संयोजक डॉ. योगेश व्यास ने बताया की कलश यात्रा में सामाजिक संगठनों की ज्ञांकी सामिल रही। जिसमें गवर्नर माता राधा कृष्ण, भारत माता, कालिका माता, लक्ष्मी बाई की ज्ञांकी कलश यात्रा का स्वागत किया एवं

महिलाएं सिर पर कलश रखकर मालियाएं पीले कपड़े और में शामिल हुईं। इस यात्रा के दौरान दो पहिया वाहन, चार पहियाँ वाहन के साथ साथ बगी में गायत्री परिवार के दौलाल माली ने बताया की 6 फरवरी गुरुवार को प्रातः 6 बजे ध्यान साधना एवं प्रातः योग एवं 8 बजे देव पूजन कार्यक्रम होगा। जिसमें समस्त देवताओं का आवाहन होगा और साथ ही 108

कुंडीय गायत्री महायज्ञ वैदिक मंत्रों के साथ प्रारंभ होगा। साथ ही दोपहर 2 बजे कार्यकर्ता गोष्ठी और साथ 6 बजे संगीत प्रवचन होगा। जिसे शांति कुंज की टोली नायक सुनील कुमार शर्मा, सहायक टोली नायक राम प्रताप, युग याकृष्ण, यम वीर नेहीं, युग वादक दिलधीर यादव, संगीतकार देव प्रसाद यादव, सारथी विवेक प्रताप सिंह द्वारा करवाया जाएगा।

आंता के इतिहास में पहली बार होंगे राजमाता विजयाराजे सिंधिया की स्मृति में राज्यस्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता 15 फरवरी से नगरपालिका अध्यक्ष दमेश्वर खण्डेलवाल के संरक्षण में होगा आयोजन

बढ़ता राजस्थान



अंता (शफीक मंसूरी)। मॉर्डन स्पोर्ट्स क्लब अंता द्वारा सरदार बलभद्र भाई पटेल स्टेडियम अंता में 15 फरवरी से राजमाता विजयाराजे सिंधिया की स्मृति में राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता आयोजन अध्यक्ष फरीद पठान ने बताया की राजमाता विजयाराजे सिंधिया की स्मृति में राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन 15 फरवरी से 19 फरवरी तक किया जायेगा। प्रतियोगिता आयोजन को लेकर कार्यकारी योगदान दिलेंग गई। जिसमें नारपालिका अध्यक्ष रामेश्वर खण्डेलवाल को संरक्षक बनाया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष-भारत गालव, मोहित कालरा, भाजपा नगर

अध्यक्ष रोहित नन्दवाना, पार्षद राधेश्यम सिंगोंद्राम, हेमंत नगर, कीर्ति मार्ग, सुरेश सोनी, जिंदेंद्र मीणा, सुरेंद्र गौतम, अतुलला खान, उपाध्यक्ष - महेश पवार, लक्ष्मण चौधरी, इलायास अंसारी, नरेंद्र पवार,

मुरली गहलोत, विनोद मेघवाल, आयोजन सचिव - पार्षद धनराज चौरासिया, संयुक्त सचिव - पृष्ठोंद्र सोनी, चेतन नगर, नंदिकशोर नायक, रायण गोतम, हरि गुर्जर, संगठन मंत्री - कुलदीप शक्ति, महेंद्र सुमन, जिंदेंद्र सुमन, मुशरफ अली, अशफाक खान, केदार मालव, जीतमल मेहरा, रिक गुर्जर, रोहित राठोर, राजकुमार मेघवाल, कायाध्यक्ष - राहिल खान, 6 बजे को प्रवक्ता राहिल खान ने कहा की सभी के सहयोग से प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया जाएगा। जहां खेल प्रैमियों को स्वस्थ मनोरंजन प्रदान होगा। जात रहे कि 6 फरवरी से आयोजित होने वाली सत्यनारायण फुटबाल प्रतियोगिता की निकटी कारोबारों से आगे खिसका दी गई है, जिसका आयोजन अब 15 फरवरी से किया जा रहा है।

तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, खेल मैदान को दुरुस्त कर आकर्षक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। लंबे समय बाद होने वाली फुटबॉल प्रतियोगिता को लेकर नगर के खेल प्रैमियों में उत्साह बना हुआ है जो प्रतियोगिता शुरू होने का बेस्ट्री से उत्साह बरह रहे हैं, उन्होंने बताया की प्रतियोगिता में राजस्थान की बेहतरीन टीमें भाग ले रही हैं, आयोजन अध्यक्ष पर्फॉर्म फठान ने कहा की सभी के सहयोग से प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया जाएगा। जहां खेल प्रैमियों को स्वस्थ मनोरंजन प्रदान होगा। जात रहे कि 6 फरवरी से आयोजित होने वाली सत्यनारायण फुटबाल प्रतियोगिता की निकटी कारोबारों से आगे खिसका दी गई है, जिसका आयोजन अब 15 फरवरी से किया जा रहा है।

परसोली थाना पुलिस की कार्यवाही 60 किलोग्राम चंदन की लकड़ी जब्ता, दो आरोपी गिरफ्तार

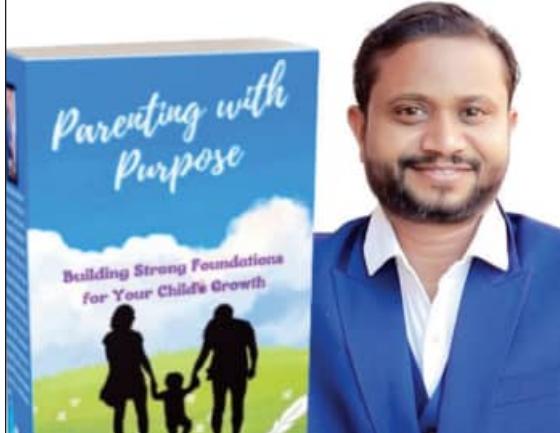
बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़, (नि.स.)। जिले की पारसोली थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए तीन बैगों से 60 किलोग्राम अवैध चंदन की लकड़ी जब्त कर के आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त चंदन की लकड़ी को उत्तर प्रदेश के तस्करों को सालाई करनी थी। अवैध रूप से चंदन की लकड़ी को उत्तर प्रदेश के तस्करों पर प्रभावी कार्यवाही के मध्यमजर एक टीम का गठन किया गया। मंगलवार को एसएआर भवानी सिंह मय मार्ग जापे द्वारा अवैध रूप से चंदन की लकड़ी की लकड़ी करने वाले तस्करों पर कार्यवाही क्षेत्र में हरपुर भौंड से आगे हाथें रोड पर प्रभावी कार्यवाही को लेकर नायक रामेश्वर खण्डेलवाल ने आयोजन को लेकर नायक रामेश्वर खण्डेलवाल को संरक्षक बनाया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष-भारत गालव, मोहित कालरा, भाजपा नगर

अध्यक्ष रोहित नन्दवाना, पार्षद राधेश्यम सिंगोंद्राम, हेमंत नगर, कीर्ति मार्ग, सुरेश सोनी, जिंदेंद्र मीणा, सुरेंद्र गौतम, अतुलला खान, उपाध्यक्ष - महेश पवार, लक्ष्मण चौधरी, इलायास अंसारी, नरेंद्र पवार,

पुस्तक मेला 2025 में कपासन के लेखक रवि चंद्रन द्वारा लिखी 'पेरेंटिंग विद पर्पस' पुस्तक को अभिभावकों ने सराहा

बढ़ता राजस्थान



कपासन (नि.स.)। नई दिल्ली 1 से 9 फरवरी 2025 तक कपासन के प्रदर्शन के दौरान 'पेरेंटिंग विद पर्पस' का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस पुस्तक के लेखक रवि चंद्रन कपासन जिला चित्तौड़गढ़ राजस्थान द्वारा लिखी गई है। यह पुस्तक आधुनिक पेरेंटिंग पर आधारित एक महत्वपूर्ण मानवरूपी मानदर्शन प्रदान करती है। इस पुस्तक के लेखक रवि चंद्रन ने अपने जीवन के अन्तर्गत अनेक विषयों को विवर किया है। इस पुस्तक में आयोजित विश्वविद्यालयों में प्रदर्शन किया गया है। पेरेंटिंग विद पर्पस पुस्तक में लेखक द्वारा पेरेंटिंग के विभिन्न पुस्तकों के अधिकारियों को प्रसारित किया गया है।

अभिभावक बच्चों को एक सकारात्मक दिशा में मार्गदर्शन कर सकते हैं। उन्हें जीवन के विभिन्न पहलुओं से सिखा सकते हैं।

लेखक रवि चंद्रन का मानना है कि पेरेंटिंग के बच्चों के पालन-पोषण के महत्व को बताया है। यह पुस्तक में लेखक द्वारा लिखी गई है कि पेरेंटिंग के बच्चों को समझना एवं उनकी विकास की ओर धूमधारी करना एवं उनकी विकास की ओर धूमधारी करना।

यह पुस्तक अवधारित होने के बाद अधिकारियों द्वारा लेखक द्वारा दिया गया है। यह पुस्तक अवधारित होने के बाद अधिकारियों द्वारा लेखक द्वारा दिया गया है।

लेखक रवि चंद्रन का मानना है कि पेरेंटिंग के बच्चों को समझना एवं उनकी विकास की ओर धूमधारी करना।

यह पुस्तक अवधारित होने के बाद अधिकारियों द्वारा लेखक द्वारा दिया गया है।

यह पुस्तक अवधारित होने के बाद अधिकारियों द्वारा लेखक द्वारा दिया गया है।

यह पुस्तक अवधारित होने के बाद अधिकारियों द्वारा लेखक द्वारा दिया गया है।

यह पुस्तक अवधारित होने के बाद अधिकारियों द्वारा लेखक द्वारा दिया गया है।

यह पुस्तक अवधारित होने के बाद अधिकारियों द्वारा लेखक द्वारा दिया गया है।

यह पुस्तक अवधारित होने के बाद अधिकारियों द्वारा लेखक द्वारा दिया गया है।

यह पुस्तक अवधारित होने के बाद अधिकारियों द्वारा लेखक द्वारा दिया गया है।

यह पुस्तक अवधारित होने के बाद अधिकारियों द्वारा लेखक द्वारा दिया गया है।

